

**क्रमांक 1273-ज-(II)-83/32597.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री नेत राम, पुत्र श्री नाना राम, गांव कावरियावास, तहसील नारनील, जिला महेन्द्रगढ़, को रवी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार संहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1194-ज-(II)-83/32604.**—श्री हरलाल, पुत्र श्री बिजां राम, गांव किरठान, तहसील फतेहावाद, जिला हिसार, की दिनांक 4 अक्टूबर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हरलाल को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिकृतवाना क्रमांक 561-प्रार.-(4)-66/883, दिनांक 31 मार्च, 1967, अधिसूचना क्रमांक 5041-प्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सोना हे नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1262-ज-(II)-83/32608.**—श्री हरदवारी लाल, पुत्र श्री राधा किशन, गांव अकोदा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 27 मई, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हरदवारी लाल को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिकृतवाना क्रमांक 9230-जे-एन-III-66/15666, दिनांक 30 जून, 1966, अधिसूचना क्रमांक 5041-प्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती गिन्डोड़ी के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 1242-ज-(II)-83/32612.**—श्री रघुनाथ सिंह, पुत्र श्री श्योकी सिंह, गांव खेड़ी तलवाना, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 1 अक्टूबर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रघुनाथ सिंह को मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिकृतवाना क्रमांक 702-ज-(I)-77/25321, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती अचरी के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी० घार० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।

#### HOUSING BOARD, HARYANA

The 14th October, 1983

No. 66/9/HHB.—In exercise of the powers conferred by section 74 of the Haryana Housing Board Act, 1971 (Haryana Act No. 20 of 1971) and of all other powers enabling it in this behalf, the Housing Board, Haryana with the previous sanction of the Government of Haryana,—*vide* their memo No. 3/7/82-1 Awas, dated 3rd October, 1983, makes the following amendment in Housing Board, Haryana (Allotment, Management and Sale of Tenements) Regulations, 1972, published,—*vide* notification No.HHB-72/6678, dated the 22nd November, 1972 in Haryana Government Gazette, Part III.

Regulation 2(m) shall be substituted as under:—

“Persons belonging to economically weaker section/low income group means the persons whose monthly income is upto Rs. 600 a person belonging to Middle Income Group means a person whose monthly income exceeds Rs. 600, but does not exceed Rs. 1,500, and a person belonging to higher income group means a person whose monthly income is above Rs. 1,500”.

(Sd.) . . . . ,

Secretary,  
for Chief Administrator,  
Housing Board, Haryana.